कार्य का महत्व

अध्याय 13

जब आप कोई काम कर रहे हों, उससे बाहर कुछ न सोचें। उसे पूजा की तरह करें, सबसे बड़ी पूजा की तरह और उस समय अपना पूरा जीवन उसे समर्पित कर दें।

— स्वामी विवेकानंद

महत्वपूर्ण प्रश्न ?

1. *लोग विभिन्न प्रकार की किन-किन गतिविधियों में सम्मिलित होते हैं?*
2. *हमारे दैनिक जीवन में इनका क्या योगदान है?*

0683CH13

© NCERT not to be republished

अनु और कबीर पार्क में खेल रहे थे, तभी उन्होंने अपने पड़ोस में रहने वाली गीता आंटी को टैक्सी से उतरते हुए देखा। वह अपनी नौकरी से घर वापस आ रही थीं और अपनी यूनिफॉर्म में थीं। वह भारतीय वायु सेना में पायलट (विमान चालक) का कार्य करती हैं और पूरा कस्बा उन पर गर्व करता है।

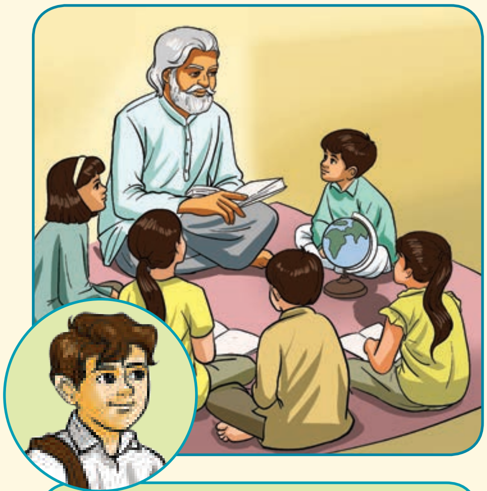

...आस-पास के बच्चों को नि:शुल्क भूगोल पढ़ाने में...

...हमारे सब्जी उद्यान में काम करने में और...

...घर के अन्य काम करने में व्यतीत करते हैं।

मेरे माता-पिता दुकान चलाते हैं जिसमें कई तरह की वेशभूषा और सिले हुए वस्त्रों की बिक्री की जाती है। अप्पा, सुबह चले जाते हैं और माँ हमारे विद्यालय जाने के बाद दुकान में उनका सहयोग करती हैं।

सामान्यतया माँ हमारे विद्यालय से आने से पहले घर आ जाती हैं। वह एक स्वैच्छिक समूह के साथ भी कार्य करती हैं जहाँ महिलाओं को बुनाई सिखाई जाती है।

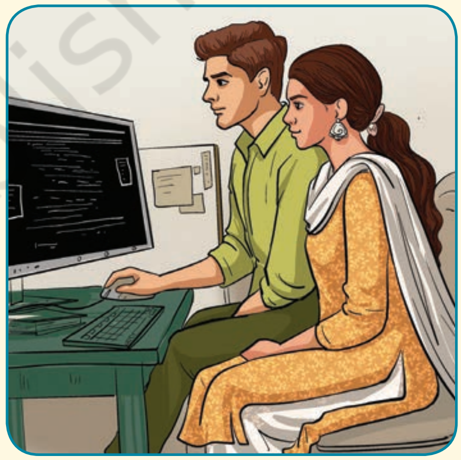

क्या तुम्हें मेरे बड़े भाई रोहन स्मरण हैं? तुम उनसे मिले थे, जब वह मुझे विद्यालय लेने आए थे। वह सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और कंप्यूटर एप्लीकेशन बनाने वाली कंपनी में काम करते हैं। वह सप्ताह के अंत में पास के एक महाविद्यालय में युवा विकास कार्यक्रम में सम्मिलित लोगों को स्वेच्छा से कंप्यूटर से संबधित कौशल भी सिखाते हैं।

क्या बात है अनु, हमारे आस-पास के लोग कितने प्रकार के कार्य करते हैं!

आइए पता लगाएँ

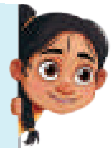

अनु और कबीर की कहानी में भिन्न-भिन्न पात्र कौन-कौन से कार्य कर रहे थे? नीचे दी गई तालिका में लिखिए—

कहानी के पात्र	वे कौन-कौन से कार्य करते हैं?	

उपरोक्त विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को दो समूहों या श्रेणियों में विभाजित किया गया है— आर्थिक गतिविधियाँ और गैर-आर्थिक गतिविधियाँ।

आर्थिक गतिविधियाँ वे हैं जिनमें अर्थ (द्रव्य, मुद्रा) सम्मिलित होता है अथवा जिन्हें अर्थोपार्जन के लिए किया जाता है अथवा जो सम्मिलित पक्षों के लिए **वस्तु के नकद मूल्य** से संबंधित होती हैं। उदाहरण के लिए, व्यापारी **बाजार** में स्कूल बैग बेचते हैं, किसान अपनी उपज बाजार में बेचते हैं, वकील अभियोजन का **शुल्क** लेते हैं, ट्रक चालक वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं, श्रमिक कार बनाने वाले कारखाने में काम करते हैं, इत्यादि।

वस्तु का नकद मूल्य
किसी वस्तु का व्यक्ति द्वारा तय किया गया मौद्रिक मूल्य जो कि उस वस्तु से मिलने वाले लाभ पर आधारित होता है।

बाजार— वह स्थान जहाँ व्यक्ति वस्तुओं और सेवाओं का लेन-देन करते हैं। व्यक्ति वस्तुओं और सेवाओं के बदले अन्य वस्तुओं का लेन-देन कर सकते हैं, किंतु अधिकांशत: बाजारों में इनका लेन-देन धनराशि के लिए किया जाता है।

शुल्क— किसी व्यावसायिक परामर्श या सेवाओं के लिए एक व्यक्ति या संगठन को किया गया भुगतान; उदाहरण के लिए, एक चिकित्सक या वकील को दिया गया शुल्क।

© NCERT not to be republished

गैर-आर्थिक गतिविधियाँ वे हैं जिनमें आय अथवा संपत्ति अर्जित नहीं होती है, बल्कि इन्हें कृतज्ञता, स्नेह, सेवा और आदर जैसी अनुभूतियों के साथ किया जाता है। उदाहरण के लिए, अभिभावकों द्वारा परिवार के लिए भोजन बनाना या बच्चों की उनके

बाएँ से दाएँ, ऊपर से नीचे—

बाजार में एक व्यापारी स्कूल बैग की बिक्री करते हुए

बाजार में अपनी उपज बेचते हुए किसान

केस पर बहस करती हुई वकील

ट्रक चालक एक स्थान से दूसरे स्थान तक सामान ले जाते हुए

मोटरगाड़ी के कारखाने में एक श्रमिक

विद्यालय के कार्य में सहायता करना, युवाओं द्वारा दादा-दादी, नाना-नानी आदि की सेवा करना, परिवार के सदस्यों द्वारा घर के नवीनीकरण में सहायता करना आदि।

बाएँ से दाएँ—

परिवार के लिए भोजन बनाते हुए अभिभावक

बच्चों को उनके विद्यालय के कार्य में सहायता करती माँ

© NCERT not to be republished

बाएँ से दाएँ—

दादी का सहयोग करती युवती

घर के नवीनीकरण में सहायता करते हुए परिवार के सदस्य

आइए पता लगाएँ

पृष्ठ 185 पर दी गई तालिका में क्या आपने तीसरा रिक्त स्तंभ देखा? इस स्तंभ में 'आर्थिक या गैर-आर्थिक गतिविधि' को अंकित कीजिए। अब इन्हें गतिविधि के प्रकार के अनुसार भी वर्गीकृत कीजिए।

अनु और कबीर की कहानी में, गीता आंटी, जो वायु सेना में विमान चालक हैं, उनको **वेतन** मिलता है। वह देश की सेवा करती हैं और यह एक आर्थिक गतिविधि में सम्मिलित है। अनु का भाई रोहन, एक सॉफ्टवेयर कंपनी में कार्य करता है और उसे भी इस कार्य के लिए वेतन मिलता है। सप्ताह के अंत में वह पास के महाविद्यालय के युवा विकास कार्यक्रम में स्वेच्छा से काम करता है। यहाँ वह युवा विद्यार्थियों को कंप्यूटर संबधित कौशल सिखाता है जो एक गैर-आर्थिक गतिविधि है।

वेतन
एक नियोक्ता द्वारा कर्मचारी को नियमित रूप से प्रतिमाह किया जाने वाला नियत भुगतान।

आइए विचार करें

- कबीर के दादाजी आस-पास के बच्चों को स्वैच्छिक रूप से नि:शुल्क पढ़ाते हैं। यह आर्थिक गतिविधि है या गैर-आर्थिक? यह गतिविधि आपके अध्यापक द्वारा विद्यालय में पढ़ाए जाने से किस प्रकार भिन्न है? अपने सहपाठियों के साथ चर्चा कीजिए।
- आप और आपके परिवार के लिए कौन-सी गैर-आर्थिक गतिविधियाँ महत्वपूर्ण हैं? ये क्यों बहुमूल्य हैं?

© NCERT not to be republished

आर्थिक गतिविधियों के प्रकार

काव्या अपनी आंटी के घर कमलापुर गाँव जाने के लिए बहुत उत्साहित थी। रास्ते में उसने देखा कि गाँव के पास एक राजमार्ग (हाइवे) बनाया जा रहा था और निर्माण स्थल पर बहुत चहल-पहल थी। वहाँ तकनीशियन खोदने वाली और बुलडोजर जैसी बड़ी मशीनें चला रहे थे।

इस राजमार्ग के बनने से अब निकट के नगर तक जाने का समय पाँच घंटे से घटकर केवल दो घंटे हो जाएगा। काव्या ने सोचा कि जब यह राजमार्ग बन जाएगा तो वह अपनी आंटी के घर बार-बार जा सकेगी। फिर प्रसन्न होकर काव्या अपनी आंटी को बधाई देने और उनके द्वारा बनाई हुई स्वादिष्ट जलेबी खाने चल पड़ी। काव्या के अंकल उसी समय काम से लौटे थे। वह निर्माण कंपनी में तकनीशियन हैं और बुलडोजर चलाते हैं। उन्हें अपनी सेवाओं के बदले प्रतिमाह वेतन मिलता है।

अगले दिन, काव्या की आंटी सुबह उठीं और अपना घरेलू काम निपटाने के बाद काम पर चली गईं। वह अपने गाँव के डाकघर में कार्यरत हैं और उन्हें प्रतिमाह वेतन मिलता है। कार्यालय के बाद वह शाम को ऑनलाइन कक्षाएँ लेती हैं, जिसमें वह विद्यार्थियों को

विद्यालय की परीक्षा की तैयारी कराती हैं। वह इन कक्षाओं के लिए साप्ताहिक शुल्क लेती हैं।

सप्ताह के अंत में, काव्या अपनी आंटी के साथ स्वादिष्ट आम खाने के लिए आम के बगीचे में गई। वहाँ उसे खेत में काम करने वाला एक श्रमिक, साहिल मिला जो ट्रैक्टर से खेत को जोत रहा था। इस कार्य के लिए उसे दैनिक **मजदूरी** के बदले कुछ धनराशि मिलती है और शेष भुगतान आमों के रूप में मिलता है। इस कार्य के लिए आम के रूप में जो भुगतान हुआ, उसे **वस्तु के रूप में भुगतान** कहा जाता है।

मजदूरी
एक विशिष्ट समय अवधि के लिए नियोक्ता द्वारा श्रमिक को किया गया भुगतान।

वस्तु के रूप में भुगतान
किए गए कार्य के लिए प्राप्त किया गया गैर-मौद्रिक भुगतान।

आइए विचार करें

क्या आप अपने घर से विद्यालय जाने के मार्ग में लोगों द्वारा की जाने वाली विभिन्न प्रकार की आर्थिक गतिविधियों का स्मरण कर सकते हैं? आपके विचार से इन लोगों को किस प्रकार भुगतान किया जाता है?

जैसा कि अब हम समझते हैं कि आर्थिक गतिविधियाँ वे होती हैं जिनमें मौद्रिक मूल्य सम्मिलित है। आर्थिक गतिविधियों से किसी वस्तु के अन्य रूपों में रूपांतरण की प्रक्रिया के प्रत्येक चरण पर उसके मूल्य में भी वृद्धि होती है। इसे मूल्य संवर्धन कहते हैं।

© NCERT not to be republished

आइए, काव्या के पिता, राजेश के उदाहरण से इसे समझें।

राजेश एक बढ़ई हैं जो विभिन्न प्रकार की लकड़ी के फर्नीचर को बनाने के लिए समीप के बाजार से ₹600 की लकड़ी खरीदते हैं।

वे लकड़ी का फर्नीचर बनाने के लिए विशेष प्रकार के उपकरणों का उपयोग करते हैं।

राजेश बाजार में प्रत्येक कुर्सी को ₹1000 में बेचते हैं।

कुर्सी बनाने के लिए लकड़ी की लागत ₹600 है, तो शेष राशि ₹400 (₹1000–₹600) किसके लिए है? यह राजेश के कौशल, समय और प्रयास का मौद्रिक मूल्य है जो उन्हें उस कुर्सी को बनाने में लगा था। राजेश ने लकड़ी से फर्नीचर बनाकर लकड़ी का मूल्य संवर्धन किया। लकड़ी खरीदने से लेकर कुर्सी के बेचने तक की गतिविधियों में भुगतान सम्मिलित है। इसलिए यह सब आर्थिक गतिविधियों के भाग हैं।

© NCERT not to be republished

आइए पता लगाएँ

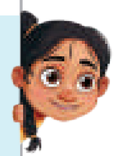

आपके विचार से जो गतिविधियाँ या व्यवसाय मौद्रिक मूल्य का सृजन करते हैं, उनके सामने सही (✓) का निशान लगाइए।

क्या आप अंतिम दो रिक्त पंक्तियों में दो गतिविधियाँ और उनके मूल्य सृजन से संबंधित धनराशि के दो उदाहरण जोड़ सकते हैं?

क्र.सं.	गतिविधि/व्यवसाय	मूल्य सृजन संबंधी धनराशि के उदाहरण
1.	बेकर	
2.	दर्जी	
3.	किसान द्वारा अपने ट्रैक्टर की मरम्मत	
4.	चिकित्सक	
5.	परिवार के लिए भोजन बनाने वाले अभिभावक	
6.	वैज्ञानिक	
7.	बीमार दादा-दादी एवं नाना-नानी की देखभाल करने वाला व्यक्ति	
8.		
9.		

गैर-आर्थिक गतिविधियों का महत्व

गैर-आर्थिक गतिविधियों में धनराशि सम्मिलित नहीं होती है, फिर भी इनसे उत्पन्न मूल्य हमारे जीवन में महत्व रखते हैं।

सेवा

हमें मंदिरों, गुरुद्वारों, मस्जिदों और गिरजाघरों आदि अनेक स्थानों पर सेवा कार्य देखने का अवसर मिलता है। उदाहरण के लिए, गुरुद्वारे में दर्शन हेतु आने वाले सभी श्रद्धालुओं को 'लंगर' या सामुदायिक रसोई में नि:शुल्क भोजन कराया जाता है। इन सेवा कार्यों से

© NCERT not to be republished

हमें संतुष्टि और कृतज्ञता की अनुभूति होती है और ये सेवा कार्य नि:स्वार्थ भाव से समाज में योगदान देते हैं।

मंदिर में भक्तों में प्रसाद वितरण

स्वर्ण मंदिर में लंगर

स्वच्छ भारत अभियान

वन महोत्सव

सामुदायिक सहभागिता का महत्व

स्वच्छ भारत अभियान अपने आस-पास सफाई रखने के लिए सभी भारतीय नागरिकों द्वारा सामूहिक प्रयासों पर आधारित है। हम लोग अपने घरों और आस-पास के स्थानों को साफ रखते हैं। लोग मिल-जुलकर गलियों, सड़कों, पार्कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों या सामुदायिक क्षेत्रों को भी साफ रखते हैं। इन सामूहिक प्रयासों से घर, आस-पास के क्षेत्र, समाज और राष्ट्र स्वच्छ रहता है।

सामूहिक सामुदायिक सहभागिता का एक और उदाहरण भारत में वृक्षों के महत्व और वन संरक्षण के प्रति जागरूकता लाने के लिए वन महोत्सव का आयोजन है। इस प्रयास से वृक्षारोपण अभियानों के लिए समुदाय के सदस्यों को एक साथ लाया जाता है।

आइए विचार करें

- भारत के अनेक समुदायों में सामुदायिक सहभागिता की समान परंपराएँ हैं। क्या आप अपने क्षेत्र की कुछ ऐसी परंपराओं के बारे में बता सकते हैं?
- हम भारत में कई त्योहार मनाते हैं। इन त्योहारों के अवसर पर लोग मिलकर अनेक गतिविधियाँ करते हैं। वे मिल-जुलकर स्थान की सजावट करते हैं और व्यंजनों को बनाते हैं। क्या ये गैर-आर्थिक गतिविधियाँ हैं? आपके विचार से इनमें क्या जीवन-मूल्य समाहित हैं।
- क्या आप उन सामुदायिक कार्यक्रमों की पहचान कर सकते हैं जिन्हें आपके विद्यालय या आस-पास आयोजित किया गया हो? इन कार्यक्रमों में आपने क्या देखा ?

आगे बढ़ने से पहले...

- → इस अध्याय में हमने आर्थिक और गैर-आर्थिक गतिविधियों के बारे में सीखा।
- → हमने आर्थिक गतिविधियों से उत्पन्न मूल्य संवर्धन के बारे में भी सीखा।
- → हमने समझा कि गैर-आर्थिक गतिविधियाँ किस प्रकार सामाजिक कल्याण एवं निजी कल्याण में योगदान देती हैं और जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाती हैं।

प्रश्न, गतिविधियाँ और परियोजनाएँ

1. आर्थिक गतिविधियाँ किस प्रकार गैर-आर्थिक गतिविधियों से भिन्न होती हैं?
2. लोग किस प्रकार की आर्थिक गतिविधियों में सम्मिलित होते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।
3. सामुदायिक सेवा गतिविधियों में लगे लोग अत्यधिक सम्माननीय हैं। इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।
4. विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए लोगों को किस-किस प्रकार से पारिश्रमिक दिया जाता है? उदाहरण दीजिए।

© NCERT not to be republished

नूडल्स

© NCERT
not to be republished

*नोट्स (Notes) और डूडल्स (Doodles) को मिलाकर बना शब्द-संक्षेप।
इस स्थान का उपयोग टिप्पणी और चित्रांकन हेतु कीजिए।